प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्य शिक्षा की विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

वर्ष: 2009-2010

निर्देशक

डॉ. [illegible]

प्राध्यापक [illegible]

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

सह-निर्देशक

डॉ. [illegible]

प्राध्यापक [illegible]

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता

[illegible]

[illegible]

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

(एन.सी.ई.आर.टी.), श्यामला हिल्स, भोपाल-46201

प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्य शिक्षा की विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल एम.एड्.(आर.आई.ई.)
उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष : 2009–2010

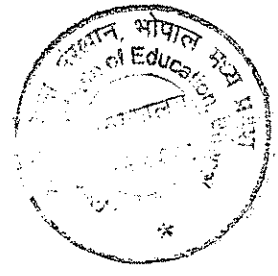

D-383

निर्देशक
डॉ. आर. के. एस. अरोरा
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

सह–निर्देशक
डॉ. रत्नमाला आर्य
प्रवक्ता (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
मारु रमेश केशुभाई
एम.एड्. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
(एन.सी.ई.आर.टी.), श्यामला हिल्स, भोपाल–462013.

घोषणा पत्र

मैं, **मारु रमेश केशुभाई** घोषणा करता हूँ कि, एम.एड्.(आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु **"प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्य शिक्षा की विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** इस विषय पर लघुशोध प्रबंध 2009-10 में मेरे द्वारा **डॉ. आर. के. एस. अरोरा** प्रवाचक एवं **डॉ. रत्नमाला आर्य** प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल इनके मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया हैं।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड्.(आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध कार्य हेतु जिन स्त्रोतों से सहायता ली गई हैं उनका उल्लेख मैंने संदर्भ ग्रंथ सूची में कर दिया हैं। यह शोधकार्य मेरे आदरणीय मार्गदर्शकों के स्नेहपूर्ण दिशादर्शन और मेरा मौलिक सृजन है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 10/05/2010.

शोधकर्ता
मारु रमेश केशुभाई
(एम.एड्. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **मारु रमेश केशुभाई** एम.एड्.(आर.आई.ई.) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत लघुशोध कार्य **"प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्य शिक्षा की विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** हमारे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध पूर्णतः मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में उसे इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की सत्रः 2009–2010 की एम.एड्. (आर.आई.ई.) की उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : / /2010

निर्देशक
डॉ. आर के. एस. अरोरा
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

10/05/10

सह–निर्देशक
डॉ. रत्नमाला आर्य
प्रवक्ता (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार ज्ञापन

हर कार्य की तरह इस शोध प्रबंध तैयार करने में कई गुणीजनों की मेहनत, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन शामिल है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"प्रारंभिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्य शिक्षा की विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक आदरणीय डॉ. आर. के. एस. अरोरा एवं डॉ. रत्नमाला आर्य इनको है। प्रस्तुत प्रबंध आपके द्वारा निरंतर उचित परामर्श, प्रोत्साहन तथा मार्गदर्शन का परिणाम है। आपका वत्सलतापूर्ण आत्मीय व्यवहार अविस्मरणीय रहेगा। वंदनीय **डॉ. एस. के. गुप्ता (विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग)** का मैं हृदय से आभारी हूँ कि, जिनके स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन से यह शोधकार्य पूर्ण हो सका।

मैं आदरणीय, डॉ. कृ. बा. सुब्रमणियम् (प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल), डॉ. एम. एन. बापट (अधिष्ठाता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल), डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (प्रभारी, एम.एड्., शिक्षा विभाग), डॉ. के. के. खरे इनका हृदय से आभारी हूँ। साथ ही शिक्षा विभाग के सभी अध्यापक गण का भी आभारी हूँ, जिन्होने शोध संगोष्ठी में उचित मार्गदर्शन एवं सुझाव दिए और प्रस्तुत शोधकार्य करने की अनुमति प्रदान कर स्नेहपूर्ण व्यवहार, आशीर्वाद तथा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन एवं प्रेरणा दी।

मैं मेरी माता पुनीबेन, भाई, बहन, मेरी जीवनसाथी रंजन तथा मामाजी डॉ. कानजीभाई डी. बगडा सभी का आभारी हूँ। उसके साथ-साथ जिस विद्यालय से मैने आँकड़ें संकलित किये, वहाँ के सभी प्राचार्यो एवं शिक्षक गण तथा सभी विद्यार्थियों का भी आभारी हूँ। मैं मेरे सभी सहपाठियों का भी आभारी हूँ, जिनका इस शोधकार्य करने में मुझे अपार सहयोग मिला।

स्थान : भोपाल
दिनांक : १० /०५/2010.

शोधकर्ता
मारु रमेश केशुभाई
(एम.एड्. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
	❶ घोषणा पत्र	
	❷ प्रमाण पत्र	
	❸ आभार ज्ञापन	
	अध्याय –1: शोध परिचय	
1.1.	प्रस्तावना	1
1.2.	शिक्षा में मूल्य का महत्व	1
1.3.	मूल्य का अर्थ	2
1.4.	मूल्य की व्याख्या	3
1.5.	मूल्य की परिभाषाएँ	3
1.6.	मूल्यों का वर्गीकरण	5
1.7.	मूल्य शिक्षा का अर्थ	11
1.8.	शिक्षा में मूल्यों का स्थान	12
1.8.1.	प्राचीन भारतीय शिक्षा में मूल्यों का स्थान	12
1.8.2.	बुनियादी शिक्षा दर्शन में मूल्य शिक्षा	13
1.9.	परिवार, विद्यालय और समाज की मूल्य शिक्षा में भूमिका	13
1.9.1.	परिवार	13
1.9.2.	विद्यालय	14
1.9.3.	समाज	15
1.10.	मूल्य विकास के लिए शिक्षा	15
1.10.1.	शिक्षा में मूल्य शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया	16
1.11.	पाठ्यपुस्तकें और पूरक पठन	17
1.11.1.	सह–पाठ्यचर्या कार्यकलाप	17
1.11.2.	मार्गदर्शन और परामर्श	18
1.12.	मूल्य शिक्षा के प्रति शिक्षक की भूमिका	18
1.13.	विभिन्न शिक्षा आयोगों व समितियों के मूल्य शिक्षा पर विचार	19
1.13.1.	राधाकृष्णन आयोग (1948–49)	19

1.13.2.	श्री प्रकाश समिति (धार्मिक एवं नैतिक समिति-1959) के सुझाव	20
1.13.3.	शिक्षा आयोग के सुझाव (1964-66)	20
1.13.4.	शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति का मसौदा (1979) में मूल्य शिक्षा संबंधी सूझाव	21
1.13.5.	नई शिक्षा नीति और मूल्यपरक शिक्षा (1986)	21
1.13.6.	राममूर्ति समीक्षा समिति (1990)	21
1.14.	भारतीय संविधान और राष्ट्रीय मूल्य	21
1.15.	N.C.F. 2005 में मूल्य शिक्षा संबंधी सुझाव	22
1.16.	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	26
1.17.	समस्या कथन	28
1.18.	शोध के न्यादर्श	28
1.19.	समस्या का सीमांकन	28
1.20.	शोध के उदेश्य	28
	अध्याय -2: संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
2.1.	भूमिका	30
2.2.	संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	30
2.3.	संबंधित साहित्य का आकलन	31
	अध्याय -3:शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	
3.1.	भूमिका	39
3.2.	शोध डिज़ाइन	39
3.3.	न्यादर्श	39
3.4.	उपकरण का निर्माण व विवरण	42
3.4.1.	निरीक्षण सूची	42
3.5.	निरीक्षण का प्रशासन	43
3.6.	प्रदत्तों का संकलन	44
3.7.	प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त विधि	44
	अध्याय - 4 : प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या	
4.1.	भूमिका	45
4.2.	प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम तथा व्याख्या	46
4.2.1.	विषयवार अवलोकन	48

4.2.2.	विषयवार स्पष्टीकरण	52
4.2.3.	कक्षावार स्पष्टीकरण	54
4.3.	विषयवार अवलोकन	56
4.3.1.	विषयवार स्पष्टीकरण	60
4.3.2.	कक्षावार स्पष्टीकरण	62
4.4.	विषयवार अवलोकन	65
4.4.1.	विषयवार स्पष्टीकरण	69
4.4.2.	कक्षावार स्पष्टीकरण	71
4.5.	कक्षावार समाविष्ट मूल्य योग प्रतिशत का स्पष्टीकरण	73
4.6.	विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों का वर्तन विषयक मूल्यों का निरीक्षण व अवलोकन	76
4.6.1.	विद्यालयीन दिनचर्या के अनुसार विद्यार्थियों का वर्तन विषयक मूल्यों का निरीक्षण व अवलोकन	79

अध्याय – 5 : शोध निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1.	प्रस्तावना	83
5.2.	समस्या कथन	84
5.3.	अध्ययन का उद्देश्य	85
5.4.	शोध के उद्देश्य	85
5.5.	शोध प्रविधि	85
5.6.	न्यादर्श चयन की विधि	86
5.7.	शोध में प्रयुक्त उपकरण	86
5.8.	प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त विधि	87
5.9.	निष्कर्ष	87
5.10.	प्राप्त परिणाम व निष्कर्ष के आधार पर मूल्यों के विकास संबंधी सूझाव	88
5.11.	भावि शोधकार्य के लिए सूझाव	95

❹ संदर्भ ग्रंथ

❺ परिशिष्ट

तालिका सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
4.1.	कक्षा 5 वीं के सभी पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्यों की संख्या एवं प्रतिशत सारणी	47
4.2.	कक्षा 6 वीं के सभी पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्यों की संख्या एवं प्रतिशत सारणी	55
4.3.	कक्षा 7 वीं के सभी पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित मूल्यों की संख्या एवं प्रतिशत सारणी	64
4.4.	कक्षा5,6,7 में सम्मिलित मूल्यों की योग प्रतिशत सारणी	72
4.5.	विद्यालयीन दिनचर्या आधारित वर्तन मूल्यों की प्रतिशत गणना	75